

Shri Yamuna Sahasranamavali

श्रीयमुना सहस्रनामावलि



Gurudev Raj Verma

Contact- +91-9897507933. WhatsApp No. +91-7500292413

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

www.scribd.com/mahakalshakti

www.gurudevrajverma.com

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

विनियोगः- ॐ अस्य श्रीकालिन्दि सहस्रनामस्तोत्र मंत्रस्य सौभरिर्ऋषिः, श्रीयमुनादेवता, अनुष्टुप् छन्दः, मायाबीजमिति कीलकम, रमाबीजमिति शक्तिः, श्रीकालिन्दनन्दिनीप्रसादसिद्धयर्थे पाठे विनियोगः।

ध्यानम् :- श्यामामम्भोजनेत्रां सघनघनरुचिं रत्नमंजीरकूजत्, कांचीकेयूरयुक्तां कनकमणिमये बिभ्रतीं कुण्डले द्वे। भ्राजच्छ्रीनीलवस्त्रां स्फुरदमलचलद्धारभारां मनोज्ञां, ध्यायेन्मार्तण्डपुत्रीं तनुकिरणचयोद्दीप्तदीपाभिरामाम् ॥

सहस्रनाम :- ॐ कालिन्द्यै नमः। ॐ यमुनायै नमः। ॐ कृष्णायै नमः। ॐ कृष्णरूपायै नमः। ॐ सनातन्यै नमः। ॐ कृष्णवामांस सम्भूतायै नमः। ॐ परमानन्दरूपिण्यै नमः। ॐ गोलोकवासिन्यै नमः। ॐ श्यामायै नमः। ॐ वृन्दावन विनोदिन्यै नमः। 10।

ॐ राधासख्यै नमः। ॐ रासलीलायै नमः। ॐ रासमण्डलमण्डिन्यै नमः। ॐ निकुंजवासिन्यै नमः। ॐ वल्ल्यै

नमः। ॐ रंगवल्लयै नमः। ॐ मनोहरायै नमः। ॐ श्रियै
नमः। ॐ रासमण्डलीभूतायै नमः। ॐ यूथीभूतायै नमः। 20।

ॐ हरिप्रियायै नमः। ॐ गोलोकतटिन्यै नमः। ॐ दिव्यायै
नमः। ॐ निकुंजतलवासिन्यै नमः। ॐ दीर्घायै नमः। ॐ
ऊर्मिवेगगम्भीरायै नमः। ॐ पुष्पपल्लववाहिन्यै नमः। ॐ
घनश्यामायै नमः। ॐ मेघमालायै नमः। ॐ बलाकायै
नमः। 30।

ॐ पद्ममालिन्यै नमः। ॐ परिपूर्णतमायै नमः। ॐ पूर्णायै
नमः। ॐ पूर्णब्रह्मप्रियायै नमः। ॐ परस्यै नमः। ॐ
महावेगवत्यै नमः। ॐ साक्षान्निकुंजद्वारनिर्गतायै नमः। ॐ
महानद्यै नमः। ॐ मंदगत्यै नमः। ॐ विरजावेगभेदिन्यै
नमः। 40।

ॐ अनेकब्रह्माण्डगतायै नमः। ॐ ब्रह्मद्रव समाकुलायै नमः।
ॐ गंगामिश्रायै नमः। ॐ निर्मलाभायै नमः। ॐ निर्मलायै
नमः। ॐ सरितां वरायै नमः। ॐ रत्नबद्धोभयतट्यै नमः। ॐ

हंसपद्मादि संकुलायै नमः। ॐ नद्यै नमः। ॐ निर्मलपानीयायै
नमः। 150।

ॐ सर्वब्रह्माण्ड पावन्यै नमः। ॐ बैकुण्ठपरिखीभूतायै नमः।
ॐ परिखायै नमः। ॐ पापहारिण्यै नमः। ॐ ब्रह्मलोकगतायै
नमः। ॐ ब्राह्म्यै नमः। ॐ स्वर्गायै नमः। ॐ स्वर्गनिवासिन्यै
नमः। ॐ उल्लसन्त्यै नमः। ॐ प्रोत्पतन्त्यै नमः। 160।

ॐ मेरुमालायै नमः। ॐ महोज्ज्वलायै नमः। ॐ
श्रीगंगाम्भःशिखरिण्यै नमः। ॐ गण्डशैलविभेदिन्यै नमः। ॐ
देशान पुनन्त्यै नमः। ॐ गच्छन्त्यै नमः। ॐ वहन्त्यै नमः। ॐ
भूमिमध्यगायै नमः। ॐ मार्तण्डतनूजायै नमः। ॐ पुण्यायै
नमः। 170।

ॐ कलिन्दगिरिनन्दिन्यै नमः। ॐ यमस्वप्ने नमः। ॐ
मन्दहासायै नमः। ॐ सुद्विजायै नमः। ॐ रचिताम्बरायै नमः।
ॐ नीलाम्बरायै नमः। ॐ पद्ममुख्यै नमः। ॐ चरन्त्यै नमः।
ॐ चारुदर्शनायै नमः। ॐ रम्भोरुभ्यां नमः। 180।

ॐ पद्मनयनायै नमः। ॐ माधव्यै नमः। ॐ प्रमदायै नमः।
 ॐ उत्तमायै नमः। ॐ तपश्चरन्त्यै नमः। ॐ सुश्रोण्यै नमः।
 ॐ कूजन्नूपुरमेखलायै नमः। ॐ जलस्थितायै नमः। ॐ
 श्यामलांग्यै नमः। ॐ खाण्डवाभायै नमः। 90।

ॐ विहारिण्यै नमः। ॐ गाण्डीविभाषिण्यै नमः। ॐ वन्यायै
 नमः। ॐ श्रीकृष्णं वरमिच्छत्यै नमः। ॐ द्वारकागमनायै नमः।
 ॐ राज्ञै नमः। ॐ पट्टराज्ञै नमः। ॐ परंगतायै नमः। ॐ
 महाराज्ञै नमः। ॐ रत्नभूषायै नमः। 100।

ॐ गोमत्यै नमः। ॐ तीरचारिण्यै नमः। ॐ स्वकीयायै नमः।
 ॐ सुखायै नमः। ॐ स्वार्थायै नमः। ॐ स्वभक्तकार्यसाधिन्यै
 नमः। ॐ नवलांगायै नमः। ॐ अबलायै नमः। ॐ मुग्धायै
 नमः। ॐ वरांगायै नमः। 110।

ॐ वामलोचनायै नमः। ॐ अजातयौवनायै नमः। ॐ अदीनायै
 नमः। ॐ प्रभायै नमः। ॐ कान्त्यै नमः। ॐ द्युत्यै नमः। ॐ

छयै नमः। ॐ सुशोभायै नमः। ॐ परमायै नमः। ॐ कीर्त्यै
नमः।। 20।

ॐ कुशलायै नमः। ॐ अज्ञातयौवनायै नमः। ॐ नवोढायै
नमः। ॐ मध्यगायै नमः। ॐ मध्यायै नमः। ॐ प्रौढ्यै नमः।
ॐ प्रौढायै नमः। ॐ प्रगल्भकायै नमः। ॐ धीरायै नमः। ॐ
अधीरायै नमः।। 30।

ॐ धैर्यधरायै नमः। ॐ ज्येष्ठायै नमः। ॐ श्रेष्ठायै नमः। ॐ
कुलांगनायै नमः। ॐ क्षणप्रभायै नमः। ॐ चंचलायै नमः। ॐ
अच्यार्यै नमः। ॐ विद्युते नमः। ॐ सौदामन्यै नमः। ॐ
तडिते नमः।। 40।

ॐ स्वाधीनपतिकायै नमः। ॐ लक्ष्म्यै नमः। ॐ पुष्टायै नमः।
ॐ स्वाधीनभर्तृकायै नमः। ॐ कलहान्तरितायै नमः। ॐ भीर्वै
नमः। ॐ इच्छायै नमः। ॐ प्रोत्कण्ठितायै नमः। ॐ आकुलायै
नमः। ॐ कशिपुस्थायै नमः।। 50।

ॐ दिव्यशय्यायै नमः। ॐ गोविन्दहृतमानसायै नमः। ॐ
 खण्डितायै नमः। ॐ अखण्डशोभाढ्यायै नमः। ॐ विप्रलब्धायै
 नमः। ॐ अभिसारिकायै नमः। ॐ विरहातार्यै नमः। ॐ
 विरहिण्यै नमः। ॐ नार्यै नमः। ॐ प्रोषितभर्तृकायै नमः। 160।

ॐ मानिन्यै नमः। ॐ मानदायै नमः। ॐ प्राज्ञायै नमः। ॐ
 मन्दारवनवासिन्यै नमः। ॐ झंकारिण्यै नमः। ॐ झणत्कार्यै
 नमः। ॐ रणन्मंजीरनूपुरायै नमः। ॐ मेखलायै नमः। ॐ
 अमेखलायै नमः। ॐ कांच्यै नमः। 170।

ॐ श्रीकांच्यै नमः। ॐ कांचनामय्यै नमः। ॐ कंचुक्यै नमः।
 ॐ कंचुकमण्यै नमः। ॐ श्रीकण्ठायै नमः। ॐ आढ्यायै नमः।
 ॐ महामण्यै नमः। ॐ श्रीहारिण्यै नमः। ॐ पद्महारायै नमः।
 ॐ मुक्तायै नमः। 180।

ॐ मुक्तफलार्चितायै नमः। ॐ रत्नकंकणकेयूरायै नमः। ॐ
 स्फुरदंगुलिभूषणायै नमः। ॐ दर्पणायै नमः। ॐ दर्पणीभूतायै
 नमः। ॐ दुष्टदर्पविनाशिन्यै नमः। ॐ कम्बुग्रीवायै नमः। ॐ

कम्बुधरायै नमः। ॐ ग्रैवेयकविराजितायै नमः। ॐ ताटंकिन्यै
नमः। 190।

ॐ दन्तधरायै नमः। ॐ हेमकुण्डमण्डितायै नमः। ॐ
शिखाभूषायै नमः। ॐ भालपुष्पायै नमः। ॐ नासामौक्तिक
शोभितायै नमः। ॐ मणिभूमिगतायै नमः। ॐ देव्यै नमः। ॐ
रैवताद्रिविहारिण्यै नमः। ॐ वृन्दावनगतायै नमः। ॐ वृन्दायै
नमः। 200।

ॐ वृन्दारण्यनिवासिन्यै नमः। ॐ वृन्दावनलतायै नमः। ॐ
माध्यै नमः। ॐ वृन्दारण्यविभूषिणायै नमः। ॐ सौन्दर्यलहर्यै
नमः। ॐ लक्ष्म्यै नमः। ॐ मथुरातीर्थवासिन्यै नमः। ॐ
विश्रान्तवासिन्यै नमः। ॐ काम्यायै नमः। ॐ रम्यायै
नमः। 210।

ॐ गोकुलवासिन्यै नमः। ॐ रमणस्थलशोभाढ्यायै नमः। ॐ
महावनमहानद्यै नमः। ॐ प्रणतायै नमः। ॐ प्रोन्नतायै नमः।
ॐ पुष्टायै नमः। ॐ भारत्यै नमः। ॐ भरतार्चितायै नमः।
ॐ तीर्थराजगत्यै नमः। ॐ गोत्रायै नमः। 220।

ॐ गंगासागर संगमायै नमः। ॐ सप्ताब्धिभेदिन्यै नमः। ॐ लोलायै नमः। ॐ बलात् सप्तद्वीपगतायै नमः। ॐ लुठन्त्यै नमः। ॐ शैलभिद्यन्त्यै नमः। ॐ स्फुरन्त्यै नमः। ॐ वेगवत्तरायै नमः। ॐ कांचन्यै नमः। ॐ कांचनीभूम्यै नमः। 230।

ॐ कांचनीभूमि भावितायै नमः। ॐ लोकदृष्ट्यै नमः। ॐ लोकलीलायै नमः। ॐ लोकालोकचलार्चितायै नमः। ॐ शैलोद्गतायै नमः। ॐ स्वर्गगतायै नमः। ॐ स्वर्गार्चायै नमः। ॐ स्वर्गपूजितायै नमः। ॐ वृन्दावन्यै नमः। ॐ वनाध्यक्षायै नमः। 240।

ॐ रक्षायै नमः। ॐ कक्षायै नमः। ॐ तटीपट्यै नमः। ॐ असिकुण्डगतायै नमः। ॐ कच्छायै नमः। ॐ स्वच्छन्दायै नमः। ॐ उच्छलितायै नमः। ॐ आदिजायै नमः। ॐ कुहरस्थायै नमः। ॐ रथप्रस्थायै नमः। 250।

ॐ प्रस्थायै नमः। ॐ शान्तरायै नमः। ॐ आतुरायै नमः।
 ॐ अम्बुच्छटायै नमः। ॐ शीकराभायै नमः। ॐ दर्दुरायै नमः।
 ॐ दार्दुरीधरायै नमः। ॐ पापांकुशायै नमः। ॐ पापसिंह्यै
 नमः। ॐ पापद्रुमकुठारिण्यै नमः। 260।

ॐ पुण्यसंघायै नमः। ॐ पुण्यकीर्त्यै नमः। ॐ पुण्यदायै नमः।
 ॐ पुण्यवर्द्धिन्यै नमः। ॐ मधुवननद्यै नमः। ॐ मुख्यायै
 नमः। ॐ अतुलायै नमः। ॐ तालवनस्थितायै नमः। ॐ
 कुमुद्वननद्यै नमः। ॐ कुब्जायै नमः। 270।

ॐ कुमुदायै नमः। ॐ अम्भोजवर्द्धिन्यै नमः। ॐ प्लवरूपायै
 नमः। ॐ वेगवत्यै नमः। ॐ सिंहसर्पादिवाहिन्यै नमः। ॐ
 बहुल्यै नमः। ॐ बहुदायै नमः। ॐ बह्वयै नमः। ॐ बहुलायै
 नमः। ॐ वनवन्दितायै नमः। 280।

ॐ राधाकुण्डकलायै नमः। ॐ आराध्यायै नमः। ॐ
 कृष्णकुण्ड जलाश्रितायै नमः। ॐ ललिताकुण्डगायै नमः। ॐ
 घण्टायै नमः। ॐ विशाखायै नमः। ॐ कुण्डमण्डितायै नमः।

ॐ गोविन्दकुण्डनिलयायै नमः। ॐ गोपकुण्डतरंगिण्यै नमः। ॐ श्रीगंगायै नमः। 290।

ॐ मानसीगंगायै नमः। ॐ कुसुमाम्बरभाविन्यै नमः। ॐ गोवर्द्धिन्यै नमः। ॐ गोधनाढ्यायै नमः। ॐ मयूरवरवर्णिन्यै नमः। ॐ सारस्यै नमः। ॐ नीलकण्ठाभायै नमः। ॐ कूजत्कोकिलपोतक्यै नमः। ॐ गिरिराजप्रसवै नमः। ॐ भूर्यै नमः। 300।

ॐ आतपत्रायै नमः। ॐ आतपत्रिण्यै नमः। ॐ गोवर्द्धनांकगायै नमः। ॐ गोदन्त्यै नमः। ॐ दिव्यौषधिनिधयै नमः। ॐ सृत्यै नमः। ॐ पारद्यै नमः। ॐ पारदमय्यै नमः। ॐ नारद्यै नमः। ॐ शारद्यै नमः। 310।

ॐ भृत्यै नमः। ॐ श्रीकृष्णचरणांकरथायै नमः। ॐ अकामायै नमः। ॐ कामवनांचितायै नमः। ॐ कामाट्यै नमः। ॐ नन्दिन्यै नमः। ॐ नन्दग्राममह्यै नमः। ॐ धरायै नमः। ॐ बृहत्सानुद्युतिप्रोतायै नमः। ॐ नन्दीश्वरसमन्वितायै नमः। 320।

ॐ काकल्यै नमः। ॐ कोकिलमय्यै नमः। ॐ
 भाण्डीरकुशकौशलायै नमः। ॐ लोहार्गलप्रदायै नमः। ॐ कारायै
 नमः। ॐ काश्मीरवसनायै नमः। ॐ वृतायै नमः। ॐ बर्हिषद्यै
 नमः। ॐ शोणपुर्यै नमः। ॐ शूरक्षेत्रपुराधिकायै नमः। 330।

ॐ नानाभरणशोभाढ्यायै नमः। ॐ नानावर्णसमन्वितायै नमः।
 ॐ नानानारीकदम्बाढ्यायै नमः। ॐ नानारंगमहीरुहायै नमः।
 ॐ नानालोकगतायै नमः। ॐ अभ्यर्च्यै नमः। ॐ
 नानाजलसमन्वितायै नमः। ॐ स्त्रीरत्नाय नमः। ॐ
 रत्ननिलयायै नमः। ॐ ललनायै नमः। 340।

ॐ रत्नरंजिन्यै नमः। ॐ रंगिण्यै नमः। ॐ रंगभूमाढ्यायै
 नमः। ॐ रंगायै नमः। ॐ रंगमहीरुहायै नमः। ॐ राजविद्यायै
 नमः। ॐ राजगुह्यायै नमः। ॐ जगत्कीर्त्यै नमः। ॐ घनायै
 नमः। ॐ अघनायै नमः। 350।

ॐ विलोलघण्टायै नमः। ॐ कृष्णांगायै नमः। ॐ
 कृष्णदेहसमुद्भवायै नमः। ॐ नीलपंकजवर्णाभायै नमः। ॐ

नीलपंकजहारिण्यै नमः। ॐ नीलाभायै नमः। ॐ
 नीलपद्माढ्यायै नमः। ॐ नीलाम्भोरुहवासिन्यै नमः। ॐ
 नागवल्ल्यै नमः। ॐ नागपुर्यै नमः। 360।

ॐ नागवल्लीदलार्चितायै नमः। ॐ ताम्बूलचर्चितायै नमः। ॐ
 चर्चायै नमः। ॐ मकरन्दमनोहरायै नमः। ॐ सकेशरायै नमः।
 ॐ केशरिण्यै नमः। ॐ केशपाशाभिषोभितायै नमः। ॐ
 कज्जलाभायै नमः। ॐ कज्जलाक्तायै नमः। ॐ कज्जल्यै
 नमः। 370।

ॐ कलितांजनायै नमः। ॐ अलक्तचरणायै नमः। ॐ ताम्रायै
 नमः। ॐ लालायै नमः। ॐ ताम्रीकृताम्बरायै नमः। ॐ
 सिन्दूरितायै नमः। ॐ अलिप्तवाण्यै नमः। ॐ सुश्रियै नमः।
 ॐ श्रीखण्डमण्डितायै नमः। ॐ पाटीरपंकवसनायै नमः। 380।

ॐ जटामांस्यै नमः। ॐ स्रगम्बरायै नमः। ॐ आगर्यै नमः।
 ॐ अगुरुगन्धाक्तायै नमः। ॐ तगराश्रितमारुतायै नमः। ॐ

सुगन्धितैलरुचिरायै नमः। ॐ कुन्तलाल्यै नमः। ॐ सकुन्तलायै
नमः। ॐ शकुन्तलायै नमः। ॐ अपांसुलायै नमः। 390।

ॐ पातिव्रत्यपरायणायै नमः। ॐ सूर्यप्रभायै नमः। ॐ
सूर्यकन्यायै नमः। ॐ सूर्यदेहसमुद्भवायै नमः। ॐ
कोटिसूर्यप्रतीकाशायै नमः। ॐ सूर्यजायै नमः। ॐ सूर्यनन्दिन्यै
नमः। ॐ संज्ञायै नमः। ॐ संज्ञासुतायै नमः। ॐ स्वेच्छायै
नमः। 400।

ॐ संज्ञामोदप्रदायिन्यै नमः। ॐ संज्ञापुत्र्यै नमः। ॐ
स्फुरच्छायायै नमः। ॐ तपतीतापकारिण्यै नमः। ॐ
सावर्ण्यानुभवायै नमः। ॐ देव्यै नमः। ॐ वडवायै नमः। ॐ
सौख्यदायिन्यै नमः। ॐ शनैश्चरानुजायै नमः। ॐ कीलायै
नमः। 410।

ॐ चन्द्रवंशविवर्द्धिन्यै नमः। ॐ चन्द्रवंशवध्वै नमः। ॐ चन्द्रायै
नमः। ॐ चन्द्रावलिसहायिन्यै नमः। ॐ चन्द्रावत्यै नमः। ॐ

चन्द्रलेखायै नमः। ॐ चन्द्रकान्तायै नमः। ॐ अनुगायै नमः।
ॐ अंशुकायै नमः। ॐ भैरव्यै नमः। 420।

ॐ पिंगलाशंक्यै नमः। ॐ लीलावत्यै नमः। ॐ आगरीमय्यै
नमः। ॐ धनश्रियै नमः। ॐ देवगान्धार्यै नमः। ॐ स्वर्णमण्यै
नमः। ॐ गुणवर्द्धिन्यै नमः। ॐ ब्रजमल्लायै नमः। ॐ
अर्यन्धकर्यै नमः। ॐ विचित्रायै नमः। 430।

ॐ जयकारिण्यै नमः। ॐ गान्धार्यै नमः। ॐ मंजर्यै नमः।
ॐ टोड्यै नमः। ॐ गुर्जर्यै नमः। ॐ आशावर्यै नमः। ॐ
जयायै नमः। ॐ कर्णाट्यै नमः। ॐ रागिण्यै नमः। ॐ गौर्यै
नमः। 440।

ॐ वैराट्यै नमः। ॐ गौरवाटिकायै नमः। ॐ चतुश्चन्द्रायै
नमः। ॐ कलाहेर्यै नमः। ॐ तैलंग्यै नमः। ॐ विजयावत्यै
नमः। ॐ ताल्यै नमः। ॐ तालस्वरायै नमः। ॐ गानायै
नमः। ॐ क्रियामात्रप्रकाशिन्यै नमः। 450।

ॐ वैशाख्यै नमः। ॐ चंचलायै नमः। ॐ चार्वे नमः। ॐ
 माचार्यै नमः। ॐ घूघट्यै नमः। ॐ घटायै नमः। ॐ वैराग्यै
 नमः। ॐ सोरट्यै नमः। ॐ ईशायै नमः। ॐ कैदार्यै
 नमः। 460।

ॐ जलधारिकायै नमः। ॐ कामाकरश्रियै नमः। ॐ कल्याण्यै
 नमः। ॐ गौडकल्याणमिश्रितायै नमः। ॐ रामसंजीविन्यै नमः।
 ॐ हेलायै नमः। ॐ मन्दार्यै नमः। ॐ कामरूपिण्यै नमः।
 ॐ सारंग्यै नमः। ॐ मारुत्यै नमः। 470।

ॐ होढायै नमः। ॐ सागर्यै नमः। ॐ कामवादिन्यै नमः।
 ॐ वैभास्यै नमः। ॐ मंगलायै नमः। ॐ चान्द्र्यै नमः। ॐ
 रासमण्डल मण्डनायै नमः। ॐ कामधेन्वे नमः। ॐ कामलतायै
 नमः। ॐ कामदायै नमः। 480।

ॐ कमनीयकायै नमः। ॐ कल्पवृक्षस्थल्यै नमः। ॐ स्थूलायै
 नमः। ॐ क्षुधायै नमः। ॐ सौधनिवासिन्यै नमः। ॐ

गोलोकवासिन्यै नमः। ॐ सुभ्रुवै नमः। ॐ यष्टिभृते नमः। ॐ
द्वारपालिकायै नमः। ॐ श्रृंगारप्रकरायै नमः। 490।

ॐ श्रृंगायै नमः। ॐ स्वच्छायै नमः। ॐ शय्योपकारिकायै
नमः। ॐ पार्षदायै नमः। ॐ सुमुख्यै नमः। ॐ सेव्यायै नमः।
ॐ श्रीवृन्दावनपालिकायै नमः। ॐ निकुंजभृते नमः। ॐ
कुंजपुंजायै नमः। ॐ गुंजाभरणभूषितायै नमः। 500।

ॐ निकुंजवासिन्यै नमः। ॐ प्रोष्यायै नमः। ॐ
गोवर्द्धनतटीभवायै नमः। ॐ विशाखायै नमः। ॐ ललितायै
नमः। ॐ रामायै नमः। ॐ नीरुजायै नमः। ॐ मधुमाधव्यै
नमः। ॐ एकस्यै नमः। ॐ नैकसख्यै नमः। 510।

ॐ शुक्लायै नमः। ॐ सखीमध्यायै नमः। ॐ महामनसे
नमः। ॐ श्रुतिरूपायै नमः। ॐ ऋषिरूपायै नमः। ॐ
मैथिलाभ्यः स्त्रीभ्यो नमः। ॐ कौशलाभ्यः स्त्रीभ्यो नमः। ॐ
अयोध्यापुर वासिनीभ्यो नमः। ॐ यज्ञसीताभ्यो नमः। ॐ
पुलिन्दकाभ्यो नमः। 520।

ॐ रमावैकुण्ठ वासिनीभ्यो नमः। ॐ श्वेतद्वीप सखीजनेभ्यो
 नमः। ॐ ऊर्ध्ववैकुण्ठवासिनीभ्यो नमः। ॐ
 दिव्याजितपदाश्रिताभ्यो नमः। ॐ श्रीलोकाचल वासिनीभ्यो नमः।
 ॐ श्रीसखीभ्यो नमः। ॐ सागरोद्भवाभ्यो नमः। ॐ दिव्याभ्यो
 नमः। ॐ अदिव्याभ्यो नमः। ॐ दिव्यांगाभ्यो नमः। 530।

ॐ व्याप्ताभ्यो नमः। ॐ त्रिगुणवृत्तिभ्यो नमः। ॐ
 भूमिगोपीभ्यो नमः। ॐ देवनारीभ्यो नमः। ॐ लताभ्यो नमः।
 ॐ ओषधिवीरुद्भ्यो नमः। ॐ जालन्धरीभ्यो नमः। ॐ
 सिन्धुसुताभ्यो नमः। ॐ पृथुबर्हिष्मतीभवाभ्यो नमः। ॐ
 दिव्याम्बराभ्यो नमः। 540।

ॐ अप्सरोभ्यो नमः। ॐ सौतलाभ्यो नमः। ॐ
 नागकन्यकाभ्यो नमः। ॐ परस्मै धाम्ने नमः। ॐ परस्मै
 ब्रह्मणे नमः। ॐ पौरुषायै नमः। ॐ प्रकृत्यै परस्यै नमः। ॐ
 तटस्थायै नमः। ॐ गुणभवै नमः। ॐ गीतायै नमः। 550।

ॐ गुणागुणमय्यै नमः। ॐ गुणायै नमः। ॐ चिद्धनायै नमः।
 ॐ सदसन्मालायै नमः। ॐ दृष्ट्यै नमः। ॐ दृश्यायै नमः।
 ॐ गुणाकर्यै नमः। ॐ महत्तत्त्वाय नमः। ॐ अहंकाराय नमः।
 ॐ मनसे नमः। 560।

ॐ बुद्ध्यै नमः। ॐ प्रचेतनायै नमः। ॐ चेतसे नमः। ॐ
 वृत्त्यै नमः। ॐ स्वान्तरात्मने नमः। ॐ चतुर्थ्यै नमः। ॐ
 चतुरक्षरायै नमः। ॐ चतुर्व्यूहायै नमः। ॐ चतुर्मूर्त्यै नमः। ॐ
 व्योम्ने नमः। 570।

ॐ वायवे नमः। ॐ अदसे नमः। ॐ जलाय नमः। ॐ मह्यै
 नमः। ॐ शब्दाय नमः। ॐ रसाय नमः। ॐ गन्धाय नमः।
 ॐ स्पर्शाय नमः। ॐ रूपाय नमः। ॐ अनेकधायै नमः। 580।

ॐ कर्मेन्द्रियाय नमः। ॐ कर्ममय्यै नमः। ॐ ज्ञानाय नमः।
 ॐ ज्ञानेन्द्रियाय नमः। ॐ द्विधायै नमः। ॐ त्रिधायै नमः।
 ॐ अधिभूताय नमः। ॐ अध्यात्माय नमः। ॐ अधिदैवाय
 नमः। ॐ अधिष्ठिताय नमः। 590।

ॐ ज्ञानशक्त्यै नमः। ॐ क्रियाशक्त्यै नमः। ॐ
 सर्वदेवाधिदेवतायै नमः। ॐ तत्त्वसंघायै नमः। ॐ विराण्मूर्त्यै
 नमः। ॐ धारणायै नमः। ॐ धारणामय्यै नमः। ॐ श्रुत्यै
 नमः। ॐ स्मृत्यै नमः। ॐ वेदमूर्त्यै नमः। 600।

ॐ संहितायै नमः। ॐ गर्गसंहितायै नमः। ॐ पाराशर्यै नमः।
 ॐ सृष्ट्यै नमः। ॐ पारहंस्यै नमः। ॐ विधातृकायै नमः।
 ॐ याज्ञवल्क्यै नमः। ॐ भागवत्यै नमः। ॐ
 श्रीमद्भागवतार्चितायै नमः। ॐ रामायणमय्यै नमः। 610।

ॐ रम्यायै नमः। ॐ पुराणपुरुषप्रियायै नमः। ॐ पुरामूर्त्यै
 नमः। ॐ पुण्यांगायै नमः। ॐ शास्त्रमूर्त्यै नमः। ॐ
 महोन्नतायै नमः। ॐ मनीषायै नमः। ॐ धिषणायै नमः। ॐ
 बुद्ध्यै नमः। ॐ वाण्यै नमः। 620।

ॐ धियै नमः। ॐ शेमुष्यै नमः। ॐ मत्यै नमः। ॐ
 गायत्र्यै नमः। ॐ वेदसावित्र्यै नमः। ॐ ब्रह्माण्यै नमः। ॐ

ब्रह्मलक्षणायै नमः। ॐ दुर्गायै नमः। ॐ अपर्णायै नमः। ॐ सत्यै नमः। 630।

ॐ सत्यायै नमः। ॐ पार्वत्यै नमः। ॐ चण्डिकायै नमः। ॐ अम्बिकायै नमः। ॐ आर्यायै नमः। ॐ दाक्षायण्यै नमः। ॐ दाक्ष्यै नमः। ॐ दक्षयज्ञविधातिन्यै नमः। ॐ पुलोमजायै नमः। ॐ शच्यै नमः। 640।

ॐ इन्द्राण्यै नमः। ॐ देव्यै नमः। ॐ देववरार्पितायै नमः। ॐ वायुना धारिण्यै नमः। ॐ धन्यायै नमः। ॐ वायव्यै नमः। ॐ वायुवेगगायै नमः। ॐ यमानुजायै नमः। ॐ संयमन्यै नमः। ॐ संज्ञायै नमः। 650।

ॐ छायायै नमः। ॐ स्फुरद्द्युत्यै नमः। ॐ रत्नवेद्यै नमः। ॐ रत्नवृन्दायै नमः। ॐ तारायै नमः। ॐ तरणिमण्डलायै नमः। ॐ रुच्यै नमः। ॐ शान्त्यै नमः। ॐ क्षमायै नमः। ॐ शोभायै नमः। 660।

ॐ दयायै नमः। ॐ दक्षायै नमः। ॐ द्युत्यै नमः। ॐ त्रपायै
 नमः। ॐ तलतुष्ट्यै नमः। ॐ विभायै नमः। ॐ पुष्ट्यै नमः।
 ॐ संतुष्ट्यै नमः। ॐ पुष्टभावनायै नमः। ॐ चतुर्भुजायै
 नमः। 670।

ॐ चारुनेत्रायै नमः। ॐ द्विभुजायै नमः। ॐ अष्टभुजायै
 नमः। ॐ अबलायै नमः। ॐ शंखहस्तायै नमः। ॐ
 पद्महस्तायै नमः। ॐ चक्रहस्तायै नमः। ॐ गदाधरायै नमः।
 ॐ निषंगधारिण्यै नमः। ॐ चर्मखड्गपाण्यै नमः। 680।

ॐ धनुर्धरायै नमः। ॐ धनुष्टंकारिण्यै नमः। ॐ योद्ध्रयै नमः।
 ॐ दैत्योद्भटविनाशिन्यै नमः। ॐ रथस्थायै नमः। ॐ
 गरुडारुढायै नमः। ॐ श्रीकृष्णहृदयस्थितायै नमः। ॐ वंशीधरायै
 नमः। ॐ कृष्णवेषायै नमः। ॐ स्रग्विण्यै नमः। 690।

ॐ वनमालिन्यै नमः। ॐ किरीटधारिण्यै नमः। ॐ यानायै
 नमः। ॐ मन्दमन्दगत्यै नमः। ॐ गत्यै नमः। ॐ

चन्द्रकोटिप्रतीकाशायै नमः। ॐ तन्व्यै नमः। ॐ कोमलविग्रहायै
नमः। ॐ भैष्यै नमः। ॐ भीष्मसुतायै नमः। 700।

ॐ अभीमायै नमः। ॐ रुक्मिण्यै नमः। ॐ रुक्मरूपिण्यै
नमः। ॐ सत्यभामायै नमः। ॐ जाम्बवत्यै नमः। ॐ सत्यायै
नमः। ॐ भद्रायै नमः। ॐ सुदक्षिणायै नमः। ॐ मित्रविन्दायै
नमः। ॐ सख्यै नमः। 710।

ॐ वृन्दायै नमः। ॐ वृन्दारण्यध्वजायै नमः। ॐ ऊर्ध्वगायै
नमः। ॐ शृंगारकारिण्यै नमः। ॐ शृंगायै नमः। ॐ शृंगभ्वै
नमः। ॐ शृंगदायै नमः। ॐ खगायै नमः। ॐ तितिक्षायै
नमः। ॐ ईक्षायै नमः। 720।

ॐ स्मृत्यै नमः। ॐ स्पर्धायै नमः। ॐ स्पृहायै नमः। ॐ
श्रद्धायै नमः। ॐ स्वनिर्वृत्यै नमः। ॐ ईशायै नमः। ॐ
तृष्णायै नमः। ॐ भिदायै नमः। ॐ प्रीत्यै नमः। ॐ हिंसायै
नमः। 730।

ॐ याच्यायै नमः। ॐ क्लमायै नमः। ॐ कृष्यै नमः। ॐ
 आशायै नमः। ॐ निद्रायै नमः। ॐ योगनिद्रायै नमः। ॐ
 योगिन्यै नमः। ॐ योगदायै नमः। ॐ युगायै नमः। ॐ
 निष्ठायै नमः। 740।

ॐ प्रतिष्ठायै नमः। ॐ शमित्यै नमः। ॐ सत्त्वप्रकृत्यै नमः।
 ॐ उत्तमायै नमः। ॐ तमःप्रकृतिदुर्मर्ष्यै नमः। ॐ रजःप्रकृत्यै
 नमः। ॐ आनत्यै नमः। ॐ क्रियायै नमः। ॐ अक्रियायै
 नमः। ॐ कृत्यै नमः। 750।

ॐ ग्लान्यै नमः। ॐ सात्त्विक्यै नमः। ॐ आध्यात्मिक्यै नमः।
 ॐ वृषायै नमः। ॐ सेवायै नमः। ॐ शिखायै नमः। ॐ
 मण्यै नमः। ॐ वृद्ध्यै नमः। ॐ आहृत्यै नमः। ॐ सुमत्यै
 नमः। 760।

ॐ दिवे नमः। ॐ भुवे नमः। ॐ रज्जुद्विदाम्न्यै नमः। ॐ
 षड्वर्गायै नमः। ॐ संहितायै नमः। ॐ सौख्यदायिन्यै नमः।
 ॐ मुक्त्यै नमः। ॐ प्रोक्त्यै नमः। ॐ देशभाषायै नमः। ॐ
 प्रकृत्यै नमः। 770।

ॐ पिंगलोद्भवायै नमः। ॐ नागभाषायै नमः। ॐ नागभूषायै
नमः। ॐ नागर्यै नमः। ॐ नगर्यै नमः। ॐ नगायै नमः।
ॐ नावे नमः। ॐ नौकायै नमः। ॐ भवनायै नमः। ॐ
भाव्यायै नमः। 780।

ॐ भवसागरसेतुकायै नमः। ॐ मनोमय्यै नमः। ॐ दारुमय्यै
नमः। ॐ सैकत्यै नमः। ॐ सिकतामय्यै नमः। ॐ लेख्यायै
नमः। ॐ लेप्यायै नमः। ॐ मणिमय्यै नमः। ॐ
हेमनिर्मितप्रतिमायै नमः। ॐ शैल्यै नमः। 790।

ॐ शैलभवायै नमः। ॐ शीलायै नमः। ॐ शीकराभायै नमः।
ॐ चलायै नमः। ॐ अचलायै नमः। ॐ अस्थितायै नमः। ॐ
सुस्थितायै नमः। ॐ तूल्यै नमः। ॐ वैदिक्यै नमः। ॐ
तांत्रिक्यै नमः। 800।

ॐ विधये नमः। ॐ संध्यायै नमः। ॐ संध्याभवसनायै नमः।
ॐ वेदसंधये नमः। ॐ सुधामय्यै नमः। ॐ सांयतन्यै नमः।
ॐ शिखायै नमः। ॐ अवेध्यायै नमः। ॐ सूक्ष्मायै नमः। ॐ
जीवकलायै नमः। 810।

ॐ कृत्यै नमः। ॐ आत्मभूतायै नमः। ॐ भावितायै नमः।
 ॐ अण्व्यै नमः। ॐ प्रह्वयै नमः। ॐ कमलकर्णिकायै नमः।
 ॐ नीराजन्यै नमः। ॐ महाविद्यायै नमः। ॐ कंदल्यै नमः।
 ॐ कार्यसाधन्यै नमः। 820।

ॐ पूजायै नमः। ॐ प्रतिष्ठायै नमः। ॐ विपुलायै नमः। ॐ
 पुनन्यै नमः। ॐ पारलौकिक्यै नमः। ॐ शुक्लशुक्त्यै नमः।
 ॐ मौक्तिकायै नमः। ॐ प्रतीत्यै नमः। ॐ परमेश्वर्यै नमः।
 ॐ विरजायै नमः। 830।

ॐ उष्णिहे नमः। ॐ विराजे नमः। ॐ वेण्यै नमः। ॐ
 वेणुकायै नमः। ॐ वेणुनादिन्यै नमः। ॐ आवर्तिन्यै नमः। ॐ
 वार्तिकदायै नमः। ॐ वात्तायै नमः। ॐ वृत्त्यै नमः। ॐ
 विमानगायै नमः। 840।

ॐ रासाढ्यायै नमः। ॐ रासिन्यै नमः। ॐ रासायै नमः। ॐ
 रासमण्डलवर्तिन्यै नमः। ॐ गोपगोपीश्वर्यै नमः। ॐ गोष्यै नमः।

ॐ गोपीगोपालवन्दितायै नमः। ॐ गोचारिण्यै नमः। ॐ
गोपनद्यै नमः। ॐ गोपानन्दप्रदायिन्यै नमः। 850।

ॐ पशव्यदायै नमः। ॐ गोपसेव्यायै नमः। ॐ कोटिशो
गोगणावृतायै नमः। ॐ गोपानुगायै नमः। ॐ गोपवत्यै नमः।
ॐ गोविन्दपदपादुकायै नमः। ॐ वृषभानुसुतायै नमः। ॐ
राधायै नमः। ॐ श्रीकृष्णवशकारिण्यै नमः। ॐ कृष्णप्राणाधिकायै
नमः। 860।

ॐ शश्वद्रसिकायै नमः। ॐ रसिकेश्वर्यै नमः। ॐ अवटोदायै
नमः। ॐ ताम्रपर्ण्यै नमः। ॐ कृतमालायै नमः। ॐ विहायस्यै
नमः। ॐ कृष्णायै नमः। ॐ वेण्यै नमः। ॐ भीमरथ्यै नमः।
ॐ ताप्यै नमः। 870।

ॐ रेवायै नमः। ॐ महापगायै नमः। ॐ वैयासक्यै नमः।
ॐ कावेर्यै नमः। ॐ तुंगभद्रायै नमः। ॐ सरस्वत्यै नमः। ॐ
चन्द्रभागायै नमः। ॐ वेत्रवत्यै नमः। ॐ ऋषिकुल्यायै नमः।
ॐ ककुद्मिन्यै नमः। 880।

ॐ गौतम्यै नमः। ॐ कौशिक्यै नमः। ॐ सिंधवे नमः। ॐ
 बाणगंगायै नमः। ॐ अतिसिद्धिदायै नमः। ॐ गोदवर्यै नमः।
 ॐ रत्नमालायै नमः। ॐ गंगायै नमः। ॐ मन्दाकिन्यै नमः।
 ॐ बलायै नमः। 890।

ॐ स्वर्णद्यै नमः। ॐ जाहन्यै नमः। ॐ वेलायै नमः। ॐ
 वैष्णव्यै नमः। ॐ मंगलालयायै नमः। ॐ बालायै नमः। ॐ
 विष्णुपदीप्रोक्तायै नमः। ॐ सिंधुसागरसंगतायै नमः। ॐ
 गंगासागरशोभाढ्यायै नमः। ॐ सामुद्र्यै नमः। 900।

ॐ रत्नदायै नमः। ॐ धुन्यै नमः। ॐ भागीरथ्यै नमः। ॐ
 स्वर्धुनीभवे नमः। ॐ श्रीवामनपदच्युतायै नमः। ॐ लक्ष्म्यै
 नमः। ॐ रमायै नमः। ॐ रमणीयायै नमः। ॐ भार्गव्यै
 नमः। ॐ विष्णुवल्लभायै नमः। 910।

ॐ सीतायै नमः। ॐ अर्चिषे नमः। ॐ जानक्यै नमः। ॐ
 मात्रे नमः। ॐ कलंकरहितायै नमः। ॐ कलायै नमः। ॐ

कृष्णपादाब्ज सम्भूतायै नमः। ॐ सर्वस्यै नमः। ॐ
त्रिपथगामिन्यै नमः। ॐ धरायै नमः। 920।

ॐ विश्वम्भरायै नमः। ॐ अनन्तायै नमः। ॐ भूम्यै नमः।
ॐ धात्र्यै नमः। ॐ क्षमामस्यै नमः। ॐ स्थिरायै नमः। ॐ
धरित्र्यै नमः। ॐ धरण्यै नमः। ॐ उर्व्यै नमः। ॐ
शेषफणस्थितायै नमः। 930।

ॐ अयोध्यायै नमः। ॐ राघवपुर्यै नमः। ॐ कौशिक्यै नमः।
ॐ रघुवंशजायै नमः। ॐ मथुरायै नमः। ॐ माथुर्यै नमः।
ॐ पथे नमः। ॐ यादव्यै नमः। ॐ ध्रुवपूजितायै नमः। ॐ
मयायुषे नमः। 940।

ॐ बिल्वनीलोदायै नमः। ॐ गंगाद्वारविनिर्गतायै नमः। ॐ
कुशावर्तमस्यै नमः। ॐ ध्रौव्यायै नमः। ॐ ध्रुवमण्डलमध्यगायै
नमः। ॐ काश्यै नमः। ॐ शिवपुर्यै नमः। ॐ शेषायै नमः।
ॐ विन्ध्यायै नमः। ॐ वाराणस्यै नमः। 950।

ॐ शिवायै नमः। ॐ अवन्तिकायै नमः। ॐ देवपुर्यै नमः।
 ॐ प्रोज्ज्वलायै नमः। ॐ उज्जयिन्यै नमः। ॐ जितायै नमः।
 ॐ द्वारावत्यै नमः। ॐ द्वारकामायै नमः। ॐ कुशभूतायै नमः।
 ॐ कुशस्थल्यै नमः। 1960।

ॐ महापुर्यै नमः। ॐ सप्तपुर्यै नमः। ॐ
 नन्दिग्रामस्थलस्थितायै नमः। ॐ शालग्रामशिलादित्यायै नमः।
 ॐ सम्भलग्राममध्यगायै नमः। ॐ वंशगोपालिन्यै नमः। ॐ
 क्षिप्तायै नमः। ॐ हरिमन्दिरवर्तिन्यै नमः। ॐ बर्हिष्मत्यै नमः।
 ॐ हस्तिपुर्यै नमः। 1970।

ॐ शक्रप्रस्थनिवासिन्यै नमः। ॐ दाडिम्यै नमः। ॐ सैन्धव्यै
 नमः। ॐ जम्ब्वै नमः। ॐ पौष्कर्यै नमः। ॐ पुष्करप्रस्वै
 नमः। ॐ उत्पालवर्तगमनायै नमः। ॐ नैमिष्यै नमः। ॐ
 नैमिषावृतायै नमः। ॐ कुरुजांगलभवै नमः। 1980।

ॐ काल्यै नमः। ॐ हैमवत्यै नमः। ॐ आर्बुद्यै नमः। ॐ
 बुधायै नमः। ॐ शूकरक्षेत्रविदितायै नमः। ॐ श्वेतवाराहधारितायै

नमः। ॐ सर्वतीर्थमय्यै नमः। ॐ तीर्थायै नमः। ॐ तीर्थानां
तीर्थकारिण्यै नमः। ॐ सर्वदोषाणां हारिण्यै नमः। 990।

ॐ सर्वसम्पदां दायिन्यै नमः। ॐ तेजसां वर्धिन्यै नमः। ॐ
साक्षात् गर्भवासनिकृन्तन्यै नमः। ॐ गोलोकधाम धिन्यै नमः।
ॐ निकुंजनिजमंजर्यै नमः। ॐ सर्वोत्तमायै नमः। ॐ
सर्वपुण्यायै नमः। ॐ सर्वसौन्दर्यशृङ्खलायै नमः। ॐ
सर्वतीर्थोपरिगतायै नमः। ॐ सर्वतीर्थाधिदेवतायै नमः। 1000।

फलश्रुति :- नाम्नां सहस्रं कालिन्द्याः कीर्तिदः कामदं परम्।
महापापहरं पुण्यमायुर्वर्द्धनमुत्तमम्॥

एकवारं पठेद्रात्रौ चोरेभ्यो न भयं भवेत्। द्विवारं प्रपठेन्मार्गे
दस्युभ्यो न भयं क्वचित्॥

द्वितीयां तु समारभ्य पठेत्पूर्णावधि द्विजः। दशवारमिदं भक्त्या
ध्यात्वा देवीं कलिन्दजाम्॥

रोगी रोगात्प्रमुच्येत् बद्धो मुच्येत बन्धनात्। गुर्विणी जनयेत्पुत्रं
विद्यार्थी पण्डितो भवेत्॥

मोहनं स्तम्भनं शश्वद्वशीकरणमेव च । उच्चाटनं घातनं च शोषणं
दीपनं तथा ॥

उन्मादनं तापनं च निधिदर्शनमेव च । यद्यद्वाञ्छति चित्तेन
तत्तत्प्राप्नोति मानवः ॥

ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चस्वी राजन्यो जगती पतिः । वैश्यो
निधिपतिर्भूयाच्छूद्रः श्रुत्वा तु निर्मलः ॥

पूजाकाले तु यो नित्यं पठते भक्तिभावतः । लिप्यते न स पापने
पद्मपत्रमिवाम्भसा ॥

शतवारं पठेन्नित्यं वर्षावधिमतः परम् । पटलं पद्धतिं कृत्वा स्तवं च
कवचं तथा ॥

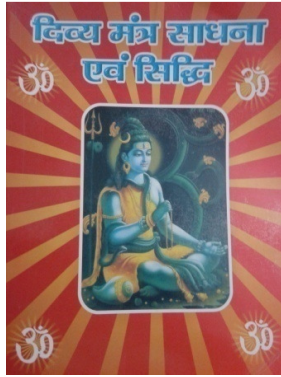
सप्तद्वीपमहीराज्यं प्राप्नुयान्नात्र संशयः । निष्कारणं पठेद्यस्तु
यमुनाभक्तिसंयुतः ॥

त्रैवर्ग्यमेत्य सुकृती जीवन्मुक्तो भवेदिह । निकुञ्ज लीलाललितं
मनोहरं कलिन्दजाकूललताकदम्बकम् । वृन्दावनोन्मत्तमिलिन्दशब्दितं
व्रजेत्स गोलोकमिदं पठेच्च यः ॥

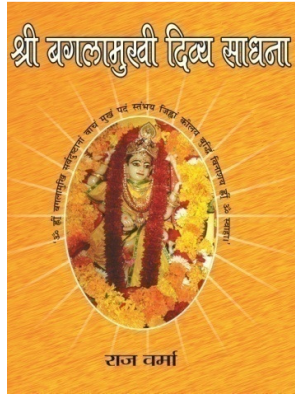
भागीरथी, यमुना, सरस्वती, गोदावरी और नर्मदा- यह पंच देवनादियां सर्वकल्याणकारी हैं। इनका स्नान, सेवन एवं पूजाचन मनुष्य को शीतल एवं पवित्र करता है। भगवती यमुना के इन पवित्र नामों का श्रवण करने से पापों का क्षय एवं सर्व प्रकार से मंगल होता है।

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi



- Shri Baglamukhi Divya Sadhana



Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com